

संपादकीय

विपक्ष की रैली का संदेश

दि ल्ली के गमलीला मैदान में रविवार को विपक्षी गठबंधन आइनटीआई की रैली में जुटी भीड़ को लेकर जो भी दावे और प्रतिवाद हों, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने की काफी हद तक कामयाब कोशिश की है। ताजाभग सभी प्रमुख दलों के बड़े नेता इसमें शामिल हुए और सबसे मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की कथित ज्यादातीयों और लोकतंत्र पर हो रहे हालों के इन्हें बाते रखा। वैसे, आइनटीआई के घटक दलों के आपसी अंतर्विद्यों की छाया भी रैली पर इस रूप में दिखी कि इसके मुख्य मकसद को लेकर दो तरह की बातें समने आयीं। आम आदर्शी पार्टी की तरफ से जहां मकसद दिलास के मुख्यमंत्री असर्विद के जरीवाल की निपटारी की विरोध करना बताया गया, वहीं कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं, बल्कि मौजूदा सरकार की ताजाभग के खिलाफ केंद्रित है। वह रैली ऐसे समय हुई, जब महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बटवारे के सवाल पर आइनटीआई से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिरी-चुनी सीटों को लेकर थे, रैलीवर ऐसा बन रहा था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी आइनटीआई से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। गमलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि बड़े मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं। जहां तक नहीं करता है कि इन पर सरकार का और इन एजेंसियों का अपना पक्ष है, लेकن इसके बावजूद चुनाव के ठीक पहले राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों के खिलाफ इस तरह के सख्त कदम अभिपूर्व हैं और इनके राजनीतिक पहलू भी हैं। वह तथ्य महत्वपूर्ण है कि 2005 से अब तक इनके दर्जे किए 5,906 केसों में से मात्र 25 निपटाये जा सके हैं। जिले 17 वर्षों में 0.42% मालाओं का निपटान इस शिकायत को दमदार बनाना है कि इन मालाओं में प्रक्रिया ही सजा का रूप लेती जा रही है। यह नहीं, जिस पीएसएल के तहत राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, उसके सब्दों प्रावधानों पर न केवल तीखी बहस है बल्कि उस कानून के खिलाफ रियू पिटिशन भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सवाल उठता है कि क्या एजेंसियों को चुनाव होने तक विपक्षी दलों और नेताओं के खिलाफ अतिवादी कदमों से परहेज करना चाहिए और क्या चुनाव आयोग को इस तरह का कोई निर्देश जारी करना चाहिए? इस पर गंभीरता से विवाद करना इसलिए भी जरूरी है कि क्योंकि किसी लोकतंत्र के मूलतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने ही नहीं चाहिए, होते हुए दिखने भी चाहिए।

अभिमत आजाद सिपाही

दद देनी होगी कि भाजपा के इन्हें विशाल संगठन में शीर्ष नेतृत्व के आगे कोई कितना भी बड़ा हो, चूंचपड़ तक नहीं करता। यहीं अनुशासन है, जिसे न केवल कांग्रेस बल्कि दूसरे राजनीतिक दलों को भी सीखाना होगा। भाजपा की यहीं ताकत उसे दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाती है। इससे जुड़े गालों की संख्या हमेशा नया दिक्कों दिखती है। तुने हुए जनप्रतिनिधियों जिनमें सांसद से लेकर विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री, पूर्व नौकरशाह और व्यायाधीश तक लाइन लगाकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

फिर इंतजार है सबसे बड़े लोकतंत्र का मूड जानने का

ऋतुपर्ण दबे

यूं तो राजनीतिक पंडित भारत के हर चुनाव को कभी अलग, कभी खास, कभी लिटिमस टेस्ट तो कभी राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाला बतलाते हैं, लेकिन 2024 के आम चुनाव भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे अलग साक्षित होगे। कम से कम थोक में दल-बदल के चलते लंबे वक्त तक याद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा सच होने लगा, क्योंकि लोग कांग्रेस से ऐसे छिटकना शुरू हुए कि पूछिया भवति। कब तक छिटकते रहेंगे नहीं पता? पता है कि बस इनका कि भाजपा ने कांग्रेसियों के लिए दरवाजे बता खोले, भीड़ संभालना पुरिकल हो रहा है।

हां, भाजपा के वह स्पष्टहसालार, वफादार और जमीनी कार्यकर्ता असमंजस में होंगे कि नवीं भीड़ में उनकी हैसियत क्या होगी? दद देनी होगी कि भाजपा के इन्हें विशाल संगठन में शीर्ष नेतृत्व के आगे कोई कितना भी बड़ा हो, चूंचपड़ तक नहीं करता।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कर कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है।

यहीं उपलब्धियों से सराबोर एनडीए अबकी बार, 400 पार के प्रधानमंत्री गोदी के नारे को घरितार्थ करने में जुटा है, क्योंकि प्रधानमंत्री 1984-85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हैं। भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कह कहीं न कहीं जम्मू-कश

धनबाद/बोकारो/बेटमो

हर एक कार्यकर्ता के लिए मैं चौबीस घंटे खड़ा रहूँगा : ढुल्लू

मुझे अपना भाई और बेटा समझे और दिल्ली भेजने का काम करें



मैंने रामराज मंदिर स्थापित किया है : ढुल्लू महतो

आजाद सिपाही संचादाता

धनबाद/झिरिया। भाजपा प्रत्यारोपी ढुल्लू महतो ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी को योजनाओं को ध्यान में रखते कार्यकर्ताओं को लाना है। लोकसभा चुनाव में भारी गठों से विजय बनाने का काम करें। एक एक कार्यकर्ता के लिए मैं चौबीस घंटों खड़ा रहूँगा। देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का काम करें। मुझे पूरा विश्वास है कि झिरिया के माता बहनों का आशीर्वाद मिलेगा। मैं भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए जेल में रहा हूँ। जरूरत पड़ी तो कार्यकर्ताओं की बातों को नजर अंदर जाऊँ।

धनबाद लोकसभा क्षेत्र मासक की परंपरागत सीट रही है : दिलीप तिवारी



बोकारो (आजाद सिपाही)। मासक बोकारो जिला कमेटी का बैठक जिला अध्यक्ष कामरेड दिलीप तिवारी की अध्यक्षता में हुई जिसका संचालन जिला सचिव कामरेड गयराम सह नियंत्रण किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपरित्त मासक धनबाद लोकसभा प्रत्यारोपी कामरेड जगदीश रवानी उपरित्त हुए बैठक को संबोधित करते हुए कामरेड रवानी ने कहा कि धनबाद लोकसभा सभा मासक का परंपरागत सीट रहा है मासक ही भजपा को शिक्षित दे सकता है पिछले 1991 से लगातार 2024 तक भाजपा का ही लोकसभा सांसद रहा लोकसभा सचिव घटने के बजाय बढ़ती वर्ती गयी जिले भी काम कामरेड ए के राय के समय विकास कार्य द्वारा वह भी बंद कर दिया गया जिसे पैरिफेरियट ट्रेनिंग सभा के द्वारा किया गया था बोकारो क्षेत्र के 20 किलोमीटर रेंजिंग में विकास कार्य किया जाता था वो आज बंद कर दिया गया है वाह विचारितों का सचाल हो, वाह मजदूरों को हो जिसके हक और अधिकार कि बात भजपा नहीं करती है। मासक चुनाव जिती है तो सभी मजदूरों, किसानों, विचारितों नावजाहनों क्षेत्रों के बोकारो एवं गरीबी दलोंति कि कि जिले की लाई भाजपा मासक लेंगी। जिसमें मुख्य रूप से कामरेड नारायण आवार्या, कमाल खान, भीम राजक, भरत ठाकुर, लालमोहन रजवार, महाराज शर्मा, सुरेश रामेत, एनुल आनन्दरारी, रामावतार रिह, संवेष महाथा, राजेन्द्र साव, समर महाथा, तपन सरकार, उमेश महाता, अभिमन्यु रजवार, बिरेन रजवार सभी अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शीतला माता की पूजा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़



सिंदरी (आजाद सिपाही)। गोशाला एवं शहरपुरा शिव मंदिर के मंदिर में शिवलाला की पूजा हुई श्रद्धालुण्ठाण की भीड़ उमड़ी, आज सुहृद से ही गोशाला एवं शहरपुरा शिव मंदिर की माता शिवलाला की पूजा हुई श्रद्धालुण्ठाण जुटने लगे, पूजा में शिवलाला माता की विशेषता पूजा-अर्चना करने के पश्चात बासी भजन का थोक लगाया जाता है श्रद्धालुण्ठाण दिन भर प्रसाद (बासी-भोजन) ग्रहण करते हैं। मान्यता: हर साल वैत्री महीने की कृष्ण पक्ष की सप्तमी और अष्टमी तिथि की शीतला देवी की पूजा की जाती है। शीतला माता को थोक रोग की देवी भी कहते हैं। शीतला माता के पर्व को हिंदू समाज में बास्योदा नाम से जाना जाता है। इस पर्व के एक दिन पहरे शीतला माता के भोग को तैयार किया जाता है और दूसरे दिन बाली भोग की माता शीतला को चढ़ाया जाता है। माना जाता है कि शीतला देवी की पूजा की जाती है। शीतला माता को थोक रोग की देवी भी कहते हैं। शीतला माता के पर्व को हिंदू समाज में बास्योदा नाम से जाना जाता है। इस पर्व के एक दिन पहरे शीतला माता के भोग को तैयार किया जाता है और दूसरे दिन बाली भोग की माता शीतला को चढ़ाया जाता है। माना जाता है कि शीतला देवी की पूजा अर्चना से थोक रोग नहीं होता। छठे बच्चों को थोक से बचाने के लिए विशेषकर शीतला देवी की पूजा की जाती है। लीलावती देवी, सीमा अग्रवाल, रेशमी अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, रमेश शर्मा, करण वौहान, अशोक गोयल, राहुल अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल सेकड़े ग्रामीण शामिल हैं।

एक ट्रक अवैध महुआ जब्त, वाहन चालक गिरफ्तार

गिरिधीह (आजाद सिपाही)। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अवैध तरीके से महुआ परिवहन किए जाने की सूचना पर पुलिस ने एक ट्रक महुआ जब्त किया तथा वाहन चालक को गिरफ्तार किया गया। विदेशी हो कि रात्री में पुलिस अधीक्षक महोदय, गिरिधीह को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि ट्रक 1143 होकर अवैध से महुआ का परिवहन किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक महोदय के निदेशनुसार थाना प्रभारी बैंगाबाद पु030नि0 जितेन्द्र कुमार सिंह के तहत पुलिस लगातार वाहन चालक को गुप्त सूचना का साथ जाव पुलिस बल एवं उड़नदस्ता दल के साथ प्रारम्भ किया गया।

कदम-कदम पर किया जा रहा है मतदाताओं को जागरूक

25 मई 2024 को अवैध करें मतदान



मतदाताओं को जागरूक करने के

लिए जागरूकता स्टीकर, कट आउट, पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें 25 मई को धनबाद में मतदाताओं को अग्राम अवैध करने, लोकतंत्र की वाही पुकार, स्टीकर, प्रवेश सीढ़ी, ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर, सेंकड़े फ्लोर व थर्ड फ्लोर की सीढ़ी के कदम कदम पर लगाए गए हैं। साथ ही पुराने स्पेस, लिफ्ट परिवर्तन, जन-जन का वाहन चालक को गुप्त सूचना के साथ जाना करते हैं। और अपने साथ लोगों के बीच विवाह और विवाहित दुकानों के साथ जाना करते हैं।

डाउनलोड करके मतदाता प्रहरी बने, पोस्टर हेल्पलाइन नंबर 1950 25 मई को धनबाद में मतदाताओं को अग्राम अवैध करने, लोकतंत्र की वाही पुकार, स्टीकर, प्रवेश सीढ़ी, ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर, सेंकड़े फ्लोर व थर्ड फ्लोर की सीढ़ी के कदम कदम पर लगाए गए हैं। साथ ही पुराने स्पेस, लिफ्ट परिवर्तन, जन-जन का वाहन चालक को गुप्त सूचना के साथ जाना करते हैं। और अपने साथ लोगों के बीच विवाह और विवाहित दुकानों के साथ जाना करते हैं।

की प्रक्रिया व जानकारी से संबोधित बैनर, पोस्टर लगाए गये हैं। उल्लेखनीय है कि धनबाद कलेक्टर में प्रतिविनायक सैकड़ों लोगों विभिन्न विवाहों में अपने काम से आगा जाना करते हैं। कलेक्टर में प्रवेश करते, सीढ़ियां चढ़ते, सेंकड़े फ्लोर पर घुमाए जाना है। और उन्हें स्पेस, लिफ्ट परिवर्तन, जन-जन का वाहन चालक को गुप्त सूचना के साथ जाना करते हैं।

उपायुक्त सह-जिला दंडाधिकारी का वाहन चालक को गुप्त सूचना के साथ जाना करते हैं। और उन्हें स्पेस, लिफ्ट परिवर्तन, जन-जन का वाहन चालक को गुप्त सूचना के साथ जाना करते हैं।

सीएपीएफ के लिए बुनियादी सुविधाएं शीघ्र सुनिश्चित करें : माधवी मिश्रा



सभी विवालयों में शौचालय को फंक्शनल और एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने जेवीबीएनएल के अधिकारी को शिरिया के मतदान के बारे में बोला। जिस श्याम परोफेशनल रुप से रुक्मिणी, वाहाना शुभम, महाराज, श्रीएस बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। मगलबाल विवाहित विवाह के पदाधिकारी अपनी दायित्व को निभाते हुए पूरी टीम के साथ स्थलों का सर्वे करे। जो कमी है उसे दुरुस्त करने के लिए तत्काल कदम उठाये। 15 अप्रैल तक पालन पठान वर्षाने की विवाह संस्थानों में शौचालय व स्थानांगर, जिला स्तर पर विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करें।

विवाहित विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त ने जेवीबीएनएल के अधिकारी को शिरिया के मतदान के बारे में बोला। जिस श्याम परोफेशनल रुप से रुक्मिणी, वाहाना शुभम, महाराज, श्रीएस बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। मगलबाल विवाहित विवाह के पदाधिकारी अपनी दायित्व को निभाते हुए पूरी टीम के साथ स्थलों का सर्वे करे। जो कमी है उसे दुरुस्त करने के लिए तत्काल कदम उठाये। 15 अप्रैल तक पालन पठान वर्षाने की विवाह संस्थानों में शौचालय व स्थानांगर, जिला स्तर पर विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करें।

विवाहित विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करने का निर्देश दिया गया।

विवाहित विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करने का निर्देश दिया गया।

विवाहित विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करने का निर्देश दिया गया।

विवाहित विवाह के अधिकारी को विवाह संस्थानों को सर्वे करने का निर्देश दिया गया।

विवाहित विवाह के अध

